शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 101 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

रेप-हत्या के मामले में पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर कॉलेज ट्रेनी डॉक्टर से रेप-हत्या के मामले में पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उन्होंने पीड़िता के शव की अंत्येष्टि में जल्दबाजी की थी। घोष और दो अन्य लोगों के नाम खड़दह थाने में दर्ज एफआईआर में हैं। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के शव को पानीहाटी के एक श्मशान घाट ले जाया गया था और कतार में मौजूद दो अन्य शवों से पहले उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि अंतिम संस्कार की सहमति से जुड़े दस्तावेजों पर माता-पिता या परिवार के किसी सदस्य के बजाय पड़ोसियों के हस्ताक्षर थे।

सरकार ने भाजपा सांसद से 'बंग विभूषण' सम्मान वापस लिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने भाजपा के राज्यसभा सांसद अनंत महाराज को 21 फरवरी 2026 को दिया गया 'बंग विभूषण' सम्मान वापस ले लिया है। दरअसल अनंत महाराज ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर विवादित बयान दिया था। जिसके बाद सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि देश के स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व पंजाब सीएम बेअंत के हत्यारे जगतार ने पैरोल ठुकराई

चंडीगढ़। पूर्व पंजाब मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जगतार सिंह हवारा ने दिल्ली जेल विभाग की ओर से दी गई 2 दिन की पैरोल ठुकरा दी है। हवारा ने अपनी बीमार मां से मिलने के लिए नियमित पैरोल देने की मांग की थी। हवारा को बताया गया था कि उसे हाई-रिस्क कैदी की श्रेणी में रखा गया है। जेल से बाहर जाने पर उसकी सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती करनी होगी। इसके चलते उसे ज्यादा दिनों की पैरोल नहीं दी जा सकती। इसके बाद हवारा ने 2 दिन की पैरोल नहीं लेने का फैसला किया।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

लोकसभा 1 मिनट-राज्यसभा 1 घंटे चली, संसद सत्र खत्म

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे; बंदर के खिलौने के साथ विपक्ष का प्रदर्शन

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया।

इधर, विपक्षी सांसद संसद के बाहर बंदर का खिलोना लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुई। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है।

इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चली। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट कम कार्यवाही हुई। वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुई। लोकसभा में सिर्फ 37 घंटे काम हुआ था।

राज्यसभा में 114 घंटे में से 76 घंटे 34 मिनट काम नहीं हुआ

मानसून सत्र में राज्यसभा की बैठकें भी लोकसभा के बराबर रहीं और 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन राज्यसभा में लगभग 37 घंटे 24 मिनट काम हुआ। यानी करीब 76 घंटे 36 मिनट कम कार्यवाही हुई।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है। राज्यसभा में पेश किए गए दोनों बिल भी लोकसभा से पास हो चुके हैं।

मप्र बोर्ड 2027 की मेन एग्जाम का टाइम-टेबल हुआ जारी

12वीं की 17 फरवरी, 10वीं की परीक्षा 24 फरवरी से; सुबह 8 बजे पहुंचना होगा

भोपाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 13 अगस्त 2026 को 2027 की हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षाओं का टाइम-टेबल जारी किया। 10वीं की परीक्षा 24 फरवरी से 18 मार्च 2027 और 12वीं की 17 फरवरी से 19 मार्च 2027 तक होगी।

दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी। हाईस्कूल परीक्षा की शुरुआत 24 फरवरी को भाषा विषयों, चित्रकला, गायन-वादन, तबला-पखावज और कंप्यूटर के पेपर से होगी। 25 फरवरी को एनएसक्यूएफ के सभी विषय और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षा होगी। इसके बाद 27 फरवरी को उर्दू, 2 मार्च को हिंदी, 5 मार्च को गणित, 9 मार्च को अंग्रेजी, 12 मार्च को संस्कृत, 15 मार्च को विज्ञान और 18 मार्च को सामाजिक विज्ञान का पेपर होगा।

प्रैक्टिकल परीक्षाएं भी होंगी

10वीं की प्रायोगिक परीक्षाएं 11 से 30 जून 2027 और 12वीं की 1 फरवरी से 19 मार्च 2027 के बीच होंगी। जरूरत पड़ने पर प्रायोगिक परीक्षा छुट्टी वाले दिन भी कराई जा सकती है।

दूसरी परीक्षा का शेड्यूल भी जारी: 12वीं की दूसरी परीक्षा 11 से 30 जून 2027 तक होगी। इसमें 11 जून इंफॉर्मेटिक प्रैक्टिसेस, 15 जून समाजशास्त्र, 16 जून रसायन शास्त्र/इतिहास/व्यवसाय अध्ययन सहित अन्य विषय और 19 जून अंग्रेजी की परीक्षा होगी। 10वीं की दूसरी परीक्षा 15 से 30 जून 2027 तक चलेगी। 15 जून अंग्रेजी, 18 जून गणित, 19 जून उर्दू, 21 जून भाषा एवं अन्य विषय, 23 जून एनएसक्यूएफ व एआई, 24 जून संस्कृत, 26 जून विज्ञान, 28 जून हिंदी और 30 जून सामाजिक विज्ञान की परीक्षा होगी।

12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से

12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होगी। पहले दिन बायोटेक्नोलॉजी, गायन-वादन और तबला-पखावज के पेपर होंगे। 18 फरवरी उर्दू व मराठी, 20 फरवरी संस्कृत और 22 फरवरी एनएसक्यूएफ, शारीरिक शिक्षा व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षा होगी। इसके बाद 23 फरवरी हिंदी, 26 फरवरी अंग्रेजी, 1 मार्च इंफॉर्मेटिक प्रैक्टिसेस, 3 मार्च समाजशास्त्र, 4 मार्च भौतिक शास्त्र/अर्थशास्त्र सहित अन्य विषय, 8 मार्च जीव विज्ञान, 11 मार्च राजनीति शास्त्र, 13 मार्च रसायन शास्त्र/इतिहास/व्यवसाय अध्ययन सहित अन्य विषय और 16 मार्च गणित का पेपर होगा। 17 और 19 मार्च को अलग-अलग व्यावसायिक और वैकल्पिक विषयों की परीक्षाएं होंगी।

परीक्षा केंद्र पर 8 बजे तक पहुंचना जरूरी

छात्रों को सुबह 8 बजे तक परीक्षा केंद्र और 8 :30 बजे तक परीक्षा कक्ष में पहुंचना होगा। 8 :45 बजे के बाद प्रवेश नहीं मिलेगा। 8 :45 बजे प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए दिया जाएगा और 8 :55 बजे उत्तरपुस्तिका दी जाएगी।

● डीपीएसई की परीक्षा भी फरवरी में

विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डीपीएसई) की दो साल की मुख्य परीक्षा भी 17 फरवरी से शुरू होगी। पहले साल की परीक्षाएं 17, 20, 23 और 25 फरवरी, जबकि दूसरे साल की परीक्षाएं 18, 22, 24 और 26 फरवरी को होंगी। परीक्षा का समय सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

● छुट्टी में भी परीक्षा हो सकती है

मंडल ने कहा है कि परीक्षा के दौरान सरकारी या स्थानीय छुट्टी घोषित होने पर भी परीक्षा तय तारीख पर होगी। जरूरत पड़ने पर परीक्षा की तारीख या समय बदला जा सकता है। इसकी जानकारी माध्यमों से दी जाएगी।

● परीक्षार्थियों के लिए जरूरी निर्देश

- सुबह 8 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा।
- 8 :30 बजे तक परीक्षा कक्ष में उपस्थित होना अनिवार्य है।
- 8 :45 बजे के बाद प्रवेश नहीं मिलेगा।
- परीक्षा शुरू होने से पहले 15 मिनट प्रश्न-पत्र पढ़ने और समझने के लिए दिए जाएंगे।

राहुल बोले-देश में लोगों को बोलने से रोका जा रहा

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार लोगों को अपनी बात रखने से रोक रही है। सरकार व्यवस्था लागू करना चाहती है, जबकि कांग्रेस का काम भारत को अपनी बात कहने का मौका देना है। दिल्ली में हो रहे कांग्रेस का 'रचनात्मक कांग्रेस प्रकोष्ठ' के अधिवेशन में राहुल ने कहा कि जंतर-मंतर पर छात्र अपनी बात रखना चाहते थे। छात्र परेशान थे और अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। सरकार को समझ आ गया है कि लोग अब चुप नहीं रहेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी कोशिशें सरकार को परेशान कर सकती हैं।

पंजाब के पूर्व डिप्टी- सीएम बादल पर गुरुद्वारे में हमला

नांदेड़ में निहंग ने कृपाण मारी; 2024 में भी गोल्डन टेंपल में सुखबीर पर हुई थी फायरिंग

लुधियाना | एजेंसी
rashtrabaan.in

महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुवार को शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। पुलिस के मुताबिक, गुरुद्वारा माता साहिब कौर में एक निहंग ने उन पर कृपाण से हमला किया। बादल के हाथ में चोट लगी है।

हमले के दौरान उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। घटना दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। पुलिस ने हमले के आरोपी निहंग जसपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

सुखबीर बादल परिवार के साथ नांदेड़ के गुरुद्वारे में माथा टेकने पहुंचे थे। हमले के बाद उन्हें यशोसाई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सुखबीर बादल की सांसद पत्नी हरसिमरत कौर बादल को फोन कर सुखबीर का हाल जाना है।

मानसून : काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार

उत्तराखंड के देहरादून-टिहरी में लैंडस्लाइड; 15 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने से बुधवार को 20 राज्यों में अच्छी बारिश हुई। अगले 4 दिनों तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है।

उत्तर प्रदेश के बनारस में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्नाव मे सड़क पर नाव चलानी पड़ी। राजस्थान के 5 से ज्यादा जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। जयपुर में 4 घंटे से ज्यादा पानी बरसा। पानी से भरे गड्ढे के कारण बस पलट गई। बारिश और पेड़ गिरने से शहर के ज्यादातर हिस्सों में ट्रैफिक जाम रहा।

उधर, उत्तराखंड के देहरादून-मसूरी मार्ग पर लैंडस्लाइड के चलते मलबा सड़क पर आ गिरा। इससे दोनों ओर करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया। राज्य के 9 जिलों में 67 सड़कें बंद हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में लगातार चार दिनों से तेज बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बारिश से 204 सड़कें बंद हैं।

राजस्थान: स्कूल बस गड्ढे में फंसी, पलटने से बची

राजस्थान की गंगापुर सिटी में गुरुवार को विजय पैलेस रोड पर स्टूडेंट्स से भरी निजी स्कूल बस सड़क पर बने गहरे गड्ढे में फंस गई। बस का पहिया गड्ढे में फंसने के बाद वह अचानक एक ओर झुक गई और पलटने की स्थिति में पहुंच गई थी।

भारी बारिश में दिल्ली की सड़कें डूबीं

दिल्ली में भारी बारिश के बीच कई इलाकों में जलभराव हो गया। मोटी बाग मेट्रो स्टेशन के पास की सड़कें भी पानी में डूब गईं, जिससे यहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जगह-जगह लंबा जाम भी लग गया।

लाल किला धमाका अलकायदा ने कराया : यूएन की रिपोर्ट में दावा

एनआईए की जांच में भी यही निकला था; 11 मौतें हुई थीं

नईदिल्ली। लाल किले के पास हुए धमाके में अलकायदा से जुड़े संगठन का हाथ था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 38वीं रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास हुए इस धमाके में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट ने इस धमाके को अंजाम दिया। इसमें कहा गया है कि एक्यूआईएस अब छोटे-छोटे सेल के जरिए काम कर रहा है और उसने अपना लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल नेटवर्क भी तैयार कर लिया है। इससे पहले आई हस्ट की 37वीं रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद (छ्वद्गरू) का हाथ बताया था। यानी इस हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की लगातार दो रिपोर्टों में दो अलग-अलग आतंकी संगठनों के नाम सामने आए हैं।

'अगर आप नहीं करेंगे, तो हम कर देंगे'; केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने थमाया अल्टीमेटम

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (13 अगस्त) को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की उस हिचकिचाहट पर सवाल उठाया, जिसमें वह ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैकेज्ड फूड प्रोडक्ट्स के पैकेटों पर ऊपर में ही वॉर्निंग लेबल लगाने में हिचकिचा रहा है। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और स्नस्स्ढ्ढ के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई और पूछा कि क्या अधिकारी कॉर्पोरेट्स के दबाव में हैं। इसके बाद कोर्ट ने दो टूक कहा, 'अगर आप ऐसा नहीं कर सकते, तो हम करेंगे।'

शीर्ष अदालत ने केंद्र और एफएसएसएआई से कहा, 'यह मामला नागरिकों, खासकर बढ़ती उम्र के बच्चों की सेहत से जुड़ा है और इससे जुड़े फैसले कॉर्पोरेट घरानों के दबाव में प्रभावित नहीं होने चाहिए।' एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एफएसएसएआई की खूब खिंचाई की, जब याचिकाकर्ता ने इस बात की ओर इशारा किया कि फ़ूड बॉडी लेबलिंग के विचार के ख़िलाफ़ है। बता दें कि कोर्ट ने पहले भी एफएसएसएआई से पब्लिक हेल्थ के हित में ऐसे वॉर्निंग लेबल लगाने पर विचार करने को कहा था।

कोर्ट ने इस बात पर गंभीरता से ध्यान दिया कि फूड स्टैंडर्ड्स वॉचडॉग की मीटिंग के मिनट्स के आधार पर, एफएसएसएआई ऐसा कोई तरीका लागू करने में हिचकिचा रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने 7 मार्च को हुई स्नस्स्ढ्ढ की मीटिंग के मिनट्स का हवाला देते हुए कहा कि उसमें लिए गए फैसले कोर्ट के पहले के निर्देशों के बिल्कुल उलट थे।

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट हादसे के बाद फैसला; पायलट नशे में था, दो रिपोर्ट में पुष्टि

एअर इंडिया पायलट्स का अब रोज ड्रग टेस्ट होगा

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के सभी पायलटों की अब रोज जांच होगी कि उन्होंने प्रतिबंधित दवाओं या नशीले पदार्थों का नशा तो नहीं किया है।

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। यह टेस्ट आज से अनिवार्य कर दिया गया है। दोनों एयरलाइंस में 5 हजार से ज्यादा पायलट हैं। पिछले हफ्ते फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के एक पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद यह फैसला लिया गया। दरअसल, इस फ्लाइट के भुवनेश्वर से गुजरते समय अचानक टर्बुलेंस जैसे हालात बने और यह करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। जिससे यात्रियों और क्रू मेंबर्स को चोटें आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना के बाद पायलट (कैप्टन) के दो ड्रग्स टेस्ट हुए थे। दोनों टेस्ट पॉजिटिव थे। दूसरे में गांजा पीने की पुष्टि हुई थी।

एयरलाइंस ने कहा- भरोसा जीतने के लिए कदम

दोनों एयरलाइंस ने पायलटों से कहा है कि मौजूदा नियमों के तहत प्रतिबंधित सभी नशीले पदार्थों और दवाओं की जांच की जाएगी।

पायलटों का टेस्ट गुरुग्राम की अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान होगा। इसके अलावा फ्लाइट के बाद ब्रीफिंग सेंटर, एयरलाइंस के ऑफिस और संबंधित बेस पर भी टेस्ट किए जाएंगे

एयरलाइंस ने कहा कि यह कदम

यात्रियों की सुरक्षा और उनका भरोसा बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

पायलट उड़ान से 12 घंटे पहले तक किसी भी तरह का नशा नहीं कर सकता

पायलट्स के लिए अल्कोहल को लेकर डीजीसीए (ष्ठत्रष्ट) के नियम बेहद सख्त हैं। एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के नियम 24 के तहत, किसी भी पायलट या क्रू मेंबर को उड़ान से 12 घंटे पहले तक किसी भी तरह के मादक पदार्थ या अल्कोहल का सेवन करने की मनाही है। उड़ान के दौरान भी इसका सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित है।

एविएशन सेक्टर में पायलटों के लिए अनिवार्य मेडिकल टेस्ट

क्लास 2 मेडिकल : यह स्टूडेंट पायलट लाइसेंस के लिए जरूरी है और फ्लाइट ट्रेनिंग शुरू करने से पहले अनिवार्य है।

क्लास 1 मेडिकल : यह कमर्शियल पायलट लाइसेंस और एयरलाइन पायलटों के लिए जरूरी है। इसमें शारीरिक, मानसिक, विजन, हियरिंग और हार्ट से जुड़ी जांच की जाती है।

ब्रीथ-एनालाइजर टेस्ट : फ्लाइट से पहले और लैंडिंग के बाद पायलटों का ब्रीथ-एनालाइजर टेस्ट किया जाता है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि पायलट के शरीर में अल्कोहल का लेवल जीरो है।

हायर एजुकेशन के लिए इजरायल देता है स्कॉलरशिप

स्कॉलरशिप छात्रों को उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रदान की जाने वाली फाइनेंशियल सहायता का एक रूप है। अलग-अलग क्राइटेरिया जैसे एकेडमिक मेरिट, एथलेटिक स्किल और फाइनेंशियल जरूरतों के आधार पर स्कॉलरशिप दी जाती है। केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देश भी भारतीय छात्रों को स्कॉलरशिप देते हैं। इजरायल भारतीय छात्रों के पढ़ने के लिए सबसे लोकप्रिय जगह बना हुआ है। खासतौर पर मेडिकल और साइंस के छात्रों के लिए यह एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरा है। अगर आप हायर एजुकेशन के लिए इजरायल जाने का प्लान बना रहें हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। इस लेख में आप भारतीय छात्रों के लिए इजराइल के एजुकेशन डिपार्टमेंट द्वारा दी जाने वाली टॉप 3 स्कॉलरशिप की जानकारी प्राप्त करेंगे।

इजरायल, भारतीय छात्रों के पढ़ने के लिए सबसे लोकप्रिय जगह बना हुआ है। खासतौर पर मेडिकल और साइंस के छात्रों के लिए यह एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरा है।

मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स स्कॉलरशिप

इजरायल सरकार द्वारा दिया जाने वाला ये स्कॉलरशिप एमए, पीएचडी, पोस्ट डॉक्टरेट या रिसर्च स्टडीज के लिए आवेदन करने वाले भारतीय छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह स्कॉलरशिप केवल एक एकेडमिक ईयर यानी अधिकतम आठ महीने के लिए उपलब्ध है और इसकी शर्त है कि छात्रों के पास बीए या बीएससी या उससे कोई उच्च डिग्री होनी चाहिए।

एक्सीलेंस फेलोशिप प्रोग्राम फोर इंटरनेशनल पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च

यह स्कॉलरशिप इजरायल के काउंसिल फोर हायर एजुकेशन और द इजरायल एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज द्वारा पेश किया जाता है। यह स्कॉलरशिप कार्यक्रम इंटरनेशनल पोस्टडॉक्टरल रिसर्चर के लिए खुला है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्ट-डॉक्टरेट करने वाले छात्रों को इज़राइल के विश्वविद्यालयों में से एक में रिसर्च करने के लिए अधिकतम 20 फेलोशिप शामिल हैं। यह फेलोशिप साइंस, टेक्नॉलोजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स, ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंस में प्रदान की जाती है। यह स्कॉलरशिप दो सालों के लिए दी जाती है।

पीएचडी सैंडविच फेलोशिप प्रोग्राम

प्लानिंग एंड बजटिंग कमिटी द्वारा फंडेड यह एक साल का डॉक्टरेट प्रोग्राम सभी क्षेत्रों के इंटरनेशनल पीएचडी छात्रों को डॉक्टरेट अध्ययन के हिस्से के रूप में इज़राइल के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक में रिसर्च करने की अनुमति देता है। इच्छुक उम्मीदवारों को सीधे संबंधित इजरायली विश्वविद्यालय में आवेदन करना होगा। विदेशों में उच्च शिक्षा के एक मान्यता प्राप्त संस्थान में डॉक्टरेट डिग्री प्रोग्राम में नामांकित अंतर्राष्ट्रीय छात्र, जिन्होंने डॉक्टरेट अध्ययन का अपना पहला वर्ष पूरा कर लिया है, इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्नो एक्सपर्ट में कॅरियर कैसे बनाएं

बहुत से लोग पर्वत और चोटियों पर घूमना पसंद करते है, पर्वत और चोटियों पर बर्फ जमा रहती है, स्नो एक्सपर्ट के रूप में बर्फ के क्षेत्र में सर्वेक्षण किया जाता है, और भविष्य में हिमस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओ की सटीक जानकारी प्रदान करनी होती है, स्नो एक्सपर्ट के रूप में रोजगार सरकारी एजेंसियों और ट्रैवल एंड एडवेंचर टूरिज्म से जुड़ी कंपनियों के द्वारा प्रदान किया जाता है, अगर आपको सर्दियां और कड़ाके की ठंड अच्छी लगती है, तो स्नो एक्सपर्ट आपके कॅरियर बनाने के लिए एक अच्छा विकल्प है, इस पोस्ट में हम आपको स्नो एक्सपर्ट में कॅरियर बनाने की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी.

स्नो एक्सपर्ट का कार्य

एक स्नो एक्सपर्ट के रूप में स्नो फॉल और एक्यूमुलेशन पैटर्न के विषय में पढ़ाई की जाती है, जिसके माध्यम से भविष्य में हिमस्खलन और अन्य प्राकृतिक खतरों की जानकारी बिलकुल सही प्राप्त हो सके, इसके साथ स्नो एक्सपर्ट से यह आशा की जाती है, कि वह ग्लेशियर और बर्फीली जगहों पर रिसर्च करे और उनके डाटा को एकत्रित करें, जिससे वैज्ञानिकों को ग्लोबल वॉर्मिंग की जाँच करने में सहायता मिल सके, विशेषज्ञों के लिए हिमस्खलन और ग्लेशियोलॉजिस्ट के रूप में बर्फ का अध्ययन करना एक विषय के रूप में है. इस समय ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियरों के बड़े-बड़े बर्फ के टुकड़े टूटकर पिघल रहे है, जिससे सागर का जल स्तर में अत्यधिक वृद्धि हो रही है, ग्लेशियर की बर्फ का अध्ययन ग्लेशियोलॉजिस्ट के द्वारा किया जाता है, इसके साथ ही वातावरण में हुए बदलाव के कारण जलस्तर, चट्टान या अवसाद के सिकुड़ते या बढ़ने की जांच की जाती है.

प्राकृतिक आपदाओं में सहायता

ग्लेशियर के डाटा से विशेषज्ञ और स्नो वैज्ञानिकों को अत्यधिक सहायता प्राप्त होती है, जिससे वह समुद्र तल, सिकुड़ते ग्लेशियर की जाँच सही तरीके से कर सकते हैं, विशेषज्ञ बर्फ का विश्लेषण उसके गुण और व्यवहार के माध्यम से करते है, इस प्रयोग के द्वारा प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी करने में सहायता प्राप्त होती है.

प्रवेश प्रक्रिया

अभ्यर्थी को 12वीं की परीक्षा विज्ञान वर्ग में उत्तीर्ण करना आवश्यक है, इसके बाद आप बीएससी या एमएससी को फिजिक्स या मैथेमैटिक्स विषय के साथ पास करना होता है, इसके पश्चात आप इसके कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकते है, इस कोर्स में आप फिजिकल/ बायोलॉजी/ कैमिककल और पृथ्वी व पर्यावरण विज्ञान में डिग्री प्राप्त कर सकते है, इस विषय में पीएचडी करने के उपरांत अभ्यर्थी को उच्च पद पर कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है, इस क्षेत्र में फिजिकल/ एनवायरनमेंट साइंस में मास्टर डिग्री के उपरांत भी प्रवेश प्राप्त कर सकते है, ग्लेशियोलॉजिस्ट बनने के लिए व्यक्ति के अन्दर प्रकृति प्रेम के साथ फिजिकली रूप से मजबूत होना आवश्यक है.

स्नो एक्सपर्ट में रोजगार के अवसर

रिसर्च इंस्टीट्यूट, पेट्रोलियम और माइंनिग कंपनी, जियोलॉजी और इंजीनियरिंग फर्म में आप स्नो साइंटिस्ट ग्लेशियोलॉजिस्ट और हिमस्खलन विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर सकते है, इसके अतिरिक्त आप कंसल्टिंग कंपनी, सरकारी व शैक्षिणिक संस्थानों कंसल्टिंग कंपनी, सरकारी व शैक्षिणिक संस्थानों में भी कार्य कर सकते हैं.

स्नो एक्सपर्ट का कोर्स करने के प्रमुख संस्थान

- वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालया जियोलॉजी देहरादून
- जवाहर लाल यूनिवर्सिटी नई दिल्ली
- डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च

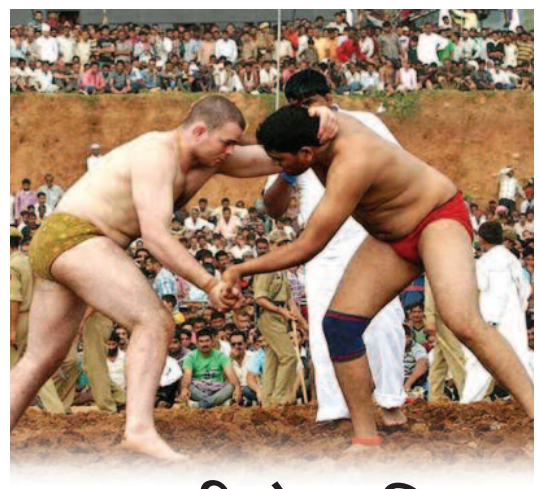

कुश्ती में करियर कैसे बनाये, कुश्ती के प्रकार और नियम यहां से जानिए

वर्तमान समय में कुश्ती एक करियर के रूप में युवाओं के समक्ष आ रहा है, इसमें करियर बनाने पर आप अपने देश और सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्धि प्राप्त कर सकते है, इस क्षेत्र में आने के लिए आपको शारीरिक रूप से स्वस्थ्य होना आवश्यक है, इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के पश्चात आपको सरकार द्वारा अनेक प्रकार की सुविधा प्रदान की जाती है, और सरकारी क्षेत्र में नौकरी प्राप्त करने के लिए प्राथमिकता दी जाती है।

आधुनिक ओलंपिक में सन् 1896 में कुश्ती को सम्मिलित किया गया था, आधुनिक ओलंपिक खेलों के निर्माता कुवरतन एक सफल कुश्ती के पहलवान थे, अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते है, तो आपको इस पोस्ट मे सम्पूर्ण जानकारी मिलने वाली है। यह भी पढ़ें ङ्क अकाउंटिंग और ऑडिटिंग फील्ड में करियर कैसे बनाये

पढ़ाई और खेल के बीच सामंजस्य स्थापित करना

कोच अपने यहाँ के सभी बच्चों को पढ़ाई सही से करने का निर्देश देते रहते है, जिससे उनके परीक्षा परिणाम पर इसका असर न पड़े, अधिकतर अखाड़ों में प्रैक्टिस सुबह-शाम होती है, इससे बच्चे विद्यालय का कार्य भी आसानी से कर सके, प्रतिदिन दो घंटे सुबह और दो घंटे शाम में प्रैक्टिस करना चाहिए और रविवार को अवकाश होना सही रहता है, आप इस प्रकार से कुश्ती में अपने करियर की शुरुआत कर सकते है।

कुश्ती की अवधि

वर्तमान समय में कुश्ती में परिवर्तन हो रहा है, ओलंपिक खेलों में पहले कुश्ती की अवधि 15 मिनट थी, फिर 9 मिनट व 6 मिनट कर दी गई, इसके बाद इसकी अवधि 20 मिनट, 10 मिनट, 9 मिनट व 6 मिनट कर दी गई, आज के समय में एक कुश्ती की अवधि 5 मिनट है और 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए यह 4 मिनट निर्धारित की गई है, इस अवधि में यदि कुश्ती का निर्णय नहीं होता है तो उसे सडेन डैथ का अतिरिक्त समय 3 मिनट दिया जाता है।

सोशल मीडिया एक्सपर्ट में कैसे बनाएं करियर

सोशल मीडिया के अंतर्गत फेसबुक, ट्विटर,इंस्टाग्राम, वाट्सअप आदि आते है, इनका उपयोग वर्तमान समय में लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है, ओर इस समय में आप लोगों को कॉलेज में, बस में, मेट्रो में यात्रा करते समय लगभग सभी स्थानों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यस्त देखा जा सकता है, आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ और दोस्तों के साथ व्यतीत किये हुए अच्छे समय को सोशल मीडिया पर शेयर करना पसंद करते है, सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने दूर के मित्रो व रिसतेदारों से जुड़े रहते हैं, कई लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कंपनियों और संगठनों का प्रचार और प्रसार करने में करते है, और इसके माध्यम से अपना करियर बनाते है।

सोशल मीडिया विशेषज्ञ के रूप में कार्य

सोशल मीडिया को किसी व्यक्तिगत उपकरण के रूप में देखा जाता है, इसमे व्यक्ति के द्वारा अपने निजी जीवन की सूचनाओं को साझा करने के लिए उपयोग किया जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से शीर्ष कंपनियों और संगठनों के लिए सोशल मीडिया व्यापार को बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में उभर कर सामने आया है, इसका प्रयोग प्राइवेट, सरकारी संस्थान अपने ग्राहकों को जोड़ने के लिए करते है, इसलिए यह एक करियर विकल्प के रूप में युवाओं के सामने आया है, इसमें विभिन्न कंपनियों के उत्पादों की मार्केटिंग करने में अधिक ध्यान दिया जाता है।

सामाजिक मीडिया विशेषज्ञ के लिए मुख्य कौशल

सोशल मीडिया एक रचनात्मक क्षेत्र है, इसमें दर्शकों को अपनी डिजायन व क्ला के माध्यम से आकर्षित किया जाता है, इसलिए यह एक रचनात्मक कार्य है, आप एक सोशल मीडिया प्रबंधक के रूप में आपको यूजर के व्यवहार को समझना होगा, आपको यूजर के अनुरूप अपने प्रोग्रामों को संचालित करना होता है, इसके अतिरिक्त स्ट्रेटेजिक प्लानिंग और कंटेंट ऑप्टिमाइजेशन और अन्य प्रकार के गुण है, जो कि एक सोशल मीडिया प्रबंधक के रूप में आपको सीखना आवश्यक है।

सोशल मीडिया एक्सपर्ट के रूप में रोजगार के अवसर

यह क्षेत्र नया है, लेकिन फिर भी इसमे रोजगार के अवसर बहुत से प्रचलित है, लेकिन सोशल मीडिया का डोमेन धीरे-धीरे विकास की ओर बढ़ रहा है, जिससे सोशल मीडिया विशेषज्ञों के लिए नए और रचनात्मक अवसर उपलब्ध हो रहे है, इस समय सोशल मीडिया पर मुख्यतया डिजिटल मार्केटर्स, अभियान प्रबंधक और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रूप में जॉब के अवसर मिल रहे है।

सोशल मीडिया एक्सपर्ट के रूप में सैलरी

आपको बता दे की इस क्षेत्र मे कोई भी सैलरी निर्धारिक नहीं है लेकिन कमाई आपकी कला व योग्यता पर निर्भर करती है। इस क्षेत्र मे आप अपने कौशल के अनुरूप 1 लाख वार्षिक से 2 लाख रुपये शुरुआत में कमाई कर सकते है। जो की फिर बाद मे आपकी योग्यता के आधार बार बढ़ती रहती है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 14 अगस्त 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

15 अगस्त को धूमधाम से मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस

पुलिस परेड ग्राउंड में होगा जिला स्तरीय मुख्य समारोह, कलेक्टर कुमार सत्यम फहराएंगे तिरंगा

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय बालाघाट में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे से पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री कुमार सत्यम होंगे। वे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कलेक्टर कुमार सत्यम ने 13 अगस्त को पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचकर मुख्य समारोह की तैयारियों एवं परेड की अंतिम रिहर्सल का निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह स्थल पर की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम गोपाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेंगे आकर्षण का केंद्र

मुख्य समारोह में ध्वजारोहण एवं परेड की सलामी के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह में पुलिस एवं अन्य दलों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक सुरक्षा, यातायात, बैठक, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मुख य समारोह में तिरंगा झण डा फहराने के पहले राष ट्रगीत वंदे मातरम एवं राष ट्रगान जन-गण-मन का गायन किया जाएगा। कार्यक्रम की समाप्ति के पहले भी राष ट्रगीत वंदे मातरम एवं राष ट्रगान जन-गण-मन का गायन किया जाएगा। राष ट्रगीत एवं राष ट्रगान का गायन पुलिस बैण ड एवं कलापथक दल के कलाकारों द्वारा किया जाएगा।

व्हाट्सऐप नंबर के आखिरी अंक 054 ने बढ़ाया रहस्य

सच्चा के डिजिटल नेटवर्क का खुलेगा राज!

मोबाइल पर चल रहा लाखों का कथित खेल, रोजाना लगभग चार लाख रुपये के कारोबार की चर्चा, घर पर तीसरी आंख और हर गतिविधि पर नजर रखने का दावा

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला मुख्यालय में स्थित कोतवाली व सोहागपुर थाना क्षेत्र में कथित डिजिटल सट्टे के कारोबार को लेकर इन दिनों एक व्हाट्सऐप नंबर खासा चर्चा में है। इस नंबर के आखिरी तीन अंक 054 बताए जा रहे हैं और इसी नंबर के जरिए कथित तौर पर अंकों के खेल से जुड़े लोगों तक पहुंच बनाए जाने की चर्चा है। मोबाइल से संचालित हो रहे इस पूरे नेटवर्क में कौन-कौन लोग जुड़े हैं, किस तरह दांव और हिसाब-किताब होता है तथा प्रतिदिन होने वाले कथित लाखों के लेन-देन का वास्तविक सच क्या है, यह जांच का विषय बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर इस पूरे नेटवर्क के पीछे सच्चा नाम के व्यक्ति की भूमिका होने की चर्चा है।

प्रतिदिन लगभग चार लाख के खेल की चर्चा

सूत्रों की माने तो सट्टा प्रेमियों में यह भी चर्चा है कि कथित तौर पर इस नेटवर्क में प्रतिदिन लगभग चार लाख रुपये तक का कारोबार होता है। यदि यह सही है तो मोबाइल के जरिए संचालित यह कथित नेटवर्क छोटे स्तर का नहीं, बल्कि बड़े आर्थिक लेन-देन वाला हो सकता है। ऐसे में बैंक खातों, ऑनलाइन भुगतान, मोबाइल नंबरों और डिजिटल चैट की जांच महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

सच्चा इतना शातिर कि घर पर तीसरी आंख!

कथित नेटवर्क से जुड़े सच्चा को लेकर भी कई तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। जानकरों की माने तो सच्चा आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए बेहद सतर्क रहता है। यहां तक कहा जा रहा है कि घर और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों यानी तीसरी आंख का सहारा लिया गया है। यदि यह बात जांच में सामने आती है तो कैमरों की रिकॉर्डिंग भी पुलिस के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकती है।

क्यों है चर्चा में आखिरी अंक 054 वाला नंबर?

शहर के लोगों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर 054 पर खत्म होने वाला व्हाट्सऐप नंबर किसका है और इसके जरिए किस तरह का नेटवर्क संचालित किया जा रहा है। चर्चा है कि इसी नंबर पर व्हाट्सएप संपर्क के माध्यम से कथित तौर पर अंक भेजे जाते हैं और दांव लगाने वालों से संपर्क किया जाता है। परिणाम आने के बाद हिसाब-किताब भी डिजिटल माध्यम से किए जाने की बात कही जा रही है। यदि पुलिस इस नंबर की कॉल डिटेल, व्हाट्सऐप गतिविधियों और उससे जुड़े डिजिटल लेन-देन की जांच करती है तो पूरे मामले की कई परतें खुल सकती हैं।

व्हाट्सऐप खोलेगा कथित नेटवर्क का राज

मोबाइल और व्हाट्सऐप के जरिए चलने वाले कथित सट्टे के इस नेटवर्क में डिजिटल साक्ष्य अहम भूमिका निभा सकते हैं। 54 पर खत्म होने वाले नंबर से किन लोगों से संपर्क हुआ, किस तरह के संदेश भेजे गए और कथित तौर पर कितने रुपये का लेन-देन हुआ, इन तमाम बिंदुओं की जांच से तस्वीर साफ हो सकती है। लोगों ने पुलिस से मांग की है कि पूरे मामले की तकनीकी जांच कर कथित नेटवर्क की जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

बिजौरी में अवैध रेत उत्खनन जोरो पर

दिन-रात रेत खनन और शहर में सप्लाई, पुलिस संरक्षण का लगा आरोप

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन में जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिजौरी में कथित रूप से अवैध रेत उत्खनन का सिलसिला जारी रहने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों कि माने तो यहां से दिन-रात रेत निकालकर आसपास के क्षेत्रों और शहर में इसकी आपूर्ति की जा रही है।

पुलिस संरक्षण को लेकर गंभीर आरोप

जानकरों की माने तो बिजौरी क्षेत्र में लंबे समय से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन चल रहा है। कार्रवाई के बावजूद संबंधित गतिविधियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। कुछ लोगों ने दावा किया है कि अवैध उत्खनन करने वालों को कथित तौर पर स्थानीय स्तर पर संरक्षण मिल रहा है। जिसके एवज पर एक कमाई का हिस्सा भी दिया जाता है।

एएसआई, प्रधान आरक्षक और दलाल की भूमिका पर सवाल

सूत्रों की माने तो सोहागपुर थाने में पदस्थ एक एएसआई, तबादले के बाद पहुंचे एक प्रधान आरक्षक और एक कथित बिचौलिये की भूमिका संदिग्ध है। जानकरों की माने तो यह पुलिस कर्मी ऐसे है कि जहां भी पदस्थ रहे है, वहां यह सिस्टम को अपने हाथ मे लेना का प्रयास किया है जैसे वर्तमान में पूरा सिस्टम इनके हाथों मे है।

प्रशासन की कार्रवाई के बीच बढ़ी निगरानी की मांग

एक ओर जिला प्रशासन अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बिजौरी से सामने आ रहे आरोप प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि क्षेत्र में अवैध उत्खनन जारी है तो इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

जांच से साफ होगी हकीकत

मामले में खनिज विभाग और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके की जांच, रेत के परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल तथा संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच किए जाने की मांग उठ रही है। जांच के बाद ही साफ होगा कि बिजौरी में अवैध उत्खनन पर किसका संरक्षण है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026

नामांकन की अंतिम तिथि 31 से बढ़कर 15 अगस्त हुई

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों की असाधारण प्रतिभा, उत्कृष्ट उपलब्धियों और प्रेरणादायक कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 से बढ़ाकर 15 अगस्त 2026 कर दी गई है। यह पुरस्कार कला एवं संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा तथा खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रदान किया जाता है।

पात्रता के अनुसार नामांकन करने वाला बच्चा भारत का नागरिक एवं भारत का निवासी होना चाहिए। बच्चे की आयु 5 वर्ष से अधिक तथा 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। जिस उपलब्धि, कार्य या साहसिक घटना के आधार पर नामांकन किया जा रहा है, वह नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि से पूर्व के दो वर्षों के भीतर की गई होनी चाहिए। बच्चे स्वयं भी स्व-नामांकन कर सकते हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, सांसद, भारत सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, राज्य सरकारें एवं केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कलेक्टर/जिलाधिकारी तथा विभिन्न शैक्षणिक संस्थान एवं विद्यालय भी नामांकन की अनुशंसा कर सकते हैं।

तिरंगा रैली निकाल नगपुरा में गूंजा देशभक्ति का जयघोष

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत निकली रैली, ग्रामीण महिलाएं हुई शामिल

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत बालाघाट जिले के विकासखंड लालबर्रा के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला नगपुरा में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला नगपुरा के छात्र-छात्राओं, ग्राम पंचायत, पालक शिक्षक संघ समिति व ग्रामीण महिलाओं ने मुख्य रूप से उत्साह पूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने ग्राम के मुख्य मार्ग में देशभक्ति व राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। प्रधानपाठिका सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने भी देशभक्ति तिरंगा रैली में बढ़-चढ़कर भाग लिया। ग्राम में रैली भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय जवान-जय किसान, देश के वीर अमर शहीदों की जय व अन्य देशभक्ति जयघोष से पूरा नगपुरा गूंज उठा। बच्चों व महिलाओं की राष्ट्रप्रेम उत्साह पूर्ण मौजूदगी ने आयोजन को भव्य बना दिया। इस आयोजन में ग्रामीणों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति राष्ट्रप्रेम व एकता की भावना को और मजबूत किया।

उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा... दिया एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश

लालबर्रा। 13 अगस्त गुरुवार को अपराह्न लगभग 3:00 बजे स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण से छात्र-छात्राओं द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए जिसके चलते यात्रा लगभग 1 किलोमीटर तक लंबी हो गई थी, उक्त यात्रा में बीआरसी श्रीराम तुरकर, प्राचार्य सनत दुबे, वरिष्ठ अध्यापक पारस राहंगडाले सहित समस्त स्कूल का स्टाफ शामिल रहा। बैंड बाजे की धुन पर निकाली गई इस यात्रा में छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति के नारे लगाकर राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा सेल्फी का आयोजन

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 13 अगस्त 2026 को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा सेल्फी कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का क्रियान्वयन 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आमजन को उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए प्रेरित करना है।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के निर्देशन में महाविद्यालय परिसर में स्थापित तिरंगा सेल्फी प्वाइंट पर महाविद्यालय परिवार ने सामूहिक रूप से सेल्फी ली। इस दौरान महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण को देशभक्तिमय बना दिया। महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने तिरंगा सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर निर्धारित पोर्टल पर अपलोड की और प्रमाण पत्र जनरेट किया।

ड्यूटी पर नहीं पहुंचे एएसआई, सरकारी आवास में मिला शव

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

कोतवाली थाने में पदस्थ एएसआई कैलाश मिश्रा उम्र 60 वर्ष की गुरुवार सुबह पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास में मौत हो गई। डायल-112 की ड्यूटी पर समय से नहीं पहुंचने और मोबाइल फोन पर संपर्क नहीं होने के बाद साथी पुलिसकर्मी उनके आवास पहुंचे, जहां कमरे के अंदर बिस्तर पर उनका शव मिला। पुलिस ने बताया कि कैलाश मिश्रा पुलिस लाइन न्यू कॉलोनी के बी ब्लॉक स्थित कमरा नंबर 13 में अकेले रहते थे। बुधवार को ड्यूटी पूरी करने के बाद वह अपने आवास लौटे थे। रात के दौरान अचानक सीने में तेज दर्द होने पर उन्होंने डायल-112 की मदद ली और जिला अस्पताल पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद वह दवा लेकर वापस घर लौट आए थे।

सुबह डयूटी में निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने पर पायलट ने उन्हें फोन किया। कई बार कॉल करने के बावजूद फोन नहीं उठने पर अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी पुलिस टीम के साथ उनके सरकारी आवास पहुंचे। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर पुलिसकर्मियों ने अंदर जाकर देखा, जहां मिश्रा मृत अवस्था में मिले। घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों और मृतक के परिजनों को दी गई। पुलिस ने शव को पीएम पश्चात परिजनों को सौंप दिया है। थाना प्रभारी ने कहा प्रारंभिक तौर पर हृदयाघात की आशंका जताई जा रही है लेकिन मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही सामने आएगी। एएसआई कैलाश मिश्रा के निधन की खबर से पुलिस विभाग में शोक व्याप्त है। साथी पुलिसकर्मियों ने उनके आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी।

विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर दिया राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश

तिरंगा यात्रा ने जगाया राष्ट्रभक्ति का जज़्बा

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं जिला स्पोर्ट्स अकादमी बालाघाट के सहयोग से 13 अगस्त को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ हनुमान चौक से हुआ। इसमें जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हनुमान चौक पर आयोजित देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर

विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का गायन किया।

कार्यक्रम में बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ललित साबे यवार, उप महानिरीक्षक विनित जैन, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय की उपस्थिति रही। स्वयंसेवी संस्थाओं, रोटरी क्लब के सदस्यों, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, ओबीसी आयोग की सदस्य मौसम बिसेन, किरण भाई त्रिवेदी सहित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, प्राचार्यों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की।

हनुमान चौक से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा काली पुतली चौक एवं अंबेडकर चौक होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा में विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सहित अनेक महान राष्ट्रनायकों एवं महापुरुषों की झांकियां प्रस्तुत कीं। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से शहर को गुंजायमान कर दिया। पूरे मार्ग में देशभक्ति के गीतों, नारों और उत्साह के बीच तिरंगे के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला।

विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सामूहिक भागीदारी ने तिरंगा यात्रा को भव्य और यादगार बना दिया। यह यात्रा राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना का जीवंत संदेश बनी।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 14 अगस्त 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

अफसरों की लापरवाही पर गिरी गाज!

सीएम हेल्पलाइन को हलके में लेना पड़ा भारी, 20 अधिकारियों की कटी एक दिन की सैलरी!

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में जनसमस्याओं के निस्तारण में अंगड़ाई ले रहे प्रशासनिक महकमे को कलेक्टर नेहा मीना ने ज़ोरदार झटका दिया है। शिकायतों को लटकाने और टाइमपास करने वाले 20 बेलगाम अधिकारियों पर गाज गिराते हुए कलेक्टर ने सीधे एक दिन का वेतन काटने के सख्त फरमान जारी कर दिए हैं।

कार्यवाही के लपेटे में आए कई बड़े नाम!

डॉक्टर, सीईओ और तहसीलदार की सूची लंबी है। जिसमें सैलरी कटने की इस सर्जिकल स्ट्राइक में लखनादौन जनपद सीईओ निलेश वर्मन, सिवनी जनपद सीईओ लोकेश साहू, छपारा तहसीलदार सौरभ मरावी और तहसीलदार शशांक मेश्राम जैसे बड़े चेहरे शामिल हैं। इसके अलावा बीएमओ डॉ. टी.एस. इनवाती, डॉ. अमृत लाकरा, डॉ. राजेन्द्र कुमार, सीएमओ श्याम गोपाल भारती, खाद्य आपूर्ति अधिकारी अभिषेक सनोड़िया, मंडी सचिव जगदीश प्रसाद श्रीवास्तवी और सहायक आयुक्त लालजीराम मीणा समेत कई अन्य आला अफसरों की जेब पर सीधे चोट पड़ी है।

साफ संदेश- काम करो या कार्रवाई सहो!

कलेक्टर का कड़ा रुख, अब बहानेबाजी का खेल खत्म जनता की शिकायतों को ठंडे बस्ते में डालने वाले अफसरों के लिए यह कार्रवाई एक सीधी और तल्ख चेतावनी है। कलेक्टर नेहा मीना के इस कड़े रुख से साफ हो गया है कि सिवनी प्रशासन में अब जनसमस्याओं को टालने की पुरानी आदत नहीं चलेगी या तो टाइम पर काम होगा, या फिर सैलरी पर कैंची चलेगी।

विभाग कोई भी हो, ढिलाई बिल्कुल बर्दाश्त नहीं!

स्वास्थ्य से लेकर राजस्व तक, हर कोने में मचा हड़कंप जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन के ढर्रे को सुधारने के लिए चला यह चाबुक किसी एक विभाग तक सीमित नहीं रहा। स्वास्थ्य, पंचायत, नगरीय प्रशासन, राजस्व, कृषि और खाद्य विभाग से लेकर महिला एवं बाल विकास तथा जनजातीय कार्य विभाग के बड़े-बड़े सुरमा इस कार्रवाई की ज़द में आ गए हैं।

रिश्वतखोर बाबू चढ़ा लोकायुक्त के हत्थे

60 किमी दूर से आई लोकायुक्त टीम को देखकर उड़ा बाबू के चेहरे का रंग।

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

नोखेलाल बेलिया,
सहायक ग्रेड-2 : लालच ने बनाया लोकायुक्त का शिकार।

मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नारायणगंज, जिला मंडला में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 (बाबू) नोखेलाल बेलिया को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त मध्यप्रदेश भोपाल योगेश देशमुख के निर्देशन एवं पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज सिंह के नेतृत्व में की गई।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदक दशरथ लाल बरमैया, जो कि सिवनी माल कन्या आश्रम (विकासखंड नारायणगंज) में भृत्य के पद पर पदस्थ हैं, ने अपने जीपीएफ खाते से एक लाख रुपये निकालने के लिए बीईओ कार्यालय नारायणगंज में आवेदन दिया था।

जीपीएफ की राशि आवेदक के खाते में ट्रांसफर होने के बाद, आरोपी बाबू नोखेलाल बेलिया (उम्र 58 वर्ष) द्वारा पारितोषिक के रूप में दस हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। पीड़ित कर्मचारी ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त जबलपुर से की। लोकायुक्त टीम द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें बातचीत के दौरान आरोपी बाबू आठ हजार रुपये लेने पर सहमत हो गया।

दफ्तर में ही बिछाया जाल, पहली किस्त लेते धराया

आज दिनांक 13 अगस्त 2026 को जैसे ही पीड़ित आवेदक बीईओ कार्यालय नारायणगंज पहुंचा और रिश्वत की पहली किस्त के रूप में पांच हजार रुपये दिए, पूर्व से मुस्तैद लोकायुक्त की टीम ने आरोपी बाबू नोखेलाल बेलिया को रंगे हाथों दबोच लिया।

इन धाराओं में मामला दर्ज

लोकायुक्त टीम ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)क्र और 13(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रेप टीम में ये रहे शामिल

इस सफल कार्रवाई का नेतृत्व ट्रैपिंग अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक रेखा प्रजापति एवं निरीक्षक उमा कुशवाह ने किया। साथ ही लोकायुक्त जबलपुर की विशेष टीम इस कार्रवाई में शामिल रही। लोकायुक्त संगठन की अपील लोकायुक्त संगठन ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सूने मकान में चोरी, 15 वर्षीय किशोर गिरफ्तार

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

नगर के मंगलीपेठ क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर हुई चोरी का कोतवाली पुलिस ने त्वरित खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में संलिप्त 15 वर्षीय विधि विवादित किशोर को अभिरक्षा में लेकर उसकी निशानदेही पर 75 हजार रुपये कीमत का चोरी गया सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया है।

दिनदहाड़े ताला तोड़कर उड़ाए थे नकदी व जेवर

ललमटिया, मंगलीपेठ निवासी प्रार्थिया श्रीमती राधा शुक्ला ने 11 अगस्त 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को सुबह 09:30 से शाम 05:30 बजे के बीच जब घर पर कोई नहीं था, तब अज्ञात चोर ने घर का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने के मंगलसूत्र और 3 हजार रुपये नकद पार कर दिए। पुलिस ने धारा 331(3), 305(ं) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी।

तकनीकी साक्ष्यों से पकड़ा गया आरोपी

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं उप पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की गई। घटनास्थल के आसपास पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही किशोर को चिह्नित किया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर 15 वर्षीय किशोर ने चोरी की बात कबूल करते हुए बताया कि उसने नकद रुपये खर्च कर दिए हैं।

आरोपी भेजा गया बाल संप्रेक्षण गृह

पुलिस ने आरोपी किशोर के पास से चोरी का मंगलसूत्र जप्त कर उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया, जहां से उसे बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश तिवारी, प्र.आर. नवीन तिवारी, आर. अजेन्द्र पाल एवं आर. पंकज सोलंकी की सराहनीय भूमिका रही।

प्रशासनिक संवेदनहीनता की हद...

उफनती मुतिया नदी, कंधे पर जनाजा और बहते आंसुओं के बीच खौफ का मंजर

जिंदा रहते न मिला हक, क्या मरने के बाद भी मयस्सर नहीं सुरक्षित रास्ता? सिवनी में उफनती नदी में जान हथेली पर रखकर उतरा जनाजा; खोखले विकास और बेपरवाह तंत्र के मुंह पर तमाचा!

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

इंसानियत को तारतार करने वाला यह मंजर।

सिस्टम कितना बेपरवाह और संवेदनहीन हो सकता है, इसकी एक रूह कंपा देने वाली मिसाल सिवनी से सामने आई है। जहाँ एक तरफ सरकारें अंतिम छोर तक विकास और बड़े-बड़े दावों के ढोल पीटती नहीं थकतीं, वहीं दूसरी तरफ गंजटोला के ग्रामीणों को अपने ही प्रियजन के जनाजे को श्मशान/कब्रिस्तान तक पहुँचाने के लिए मौत की छलांग लगानी पड़ रही है। उफनती मुतिया नदी के उग्र बहाव के बीच जान जोखिम में डालकर नदी पार करते जनाजे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही प्रशासनिक अमले के दावों की धज्जियाँ उड़ गई हैं।

खौफनाक तस्वीर, गम के साथ खौफ का साया

मामला गंजटोला निवासी नईम शाह के इंतकाल के बाद का है। एक तरफ परिजनों के सिर पर अपनों को हमेशा-हमेशा के लिए खो देने का पहाड़ जैसा दुख था, तो दूसरी तरफ उफनती मुतिया नदी को पार करने का खौफनाक मंजर। बारिश में नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ था और तेज बहाव के बीच कब्रगाह तक पहुँचने का और कोई जरिया नहीं था। घंटों बहाव कम होने का इंतजार करने के बाद भी जब पानी नहीं घटा, तो बेबस ग्रामीणों को कंधे पर जनाजा उठाकर उफनती नदी के बीचों-बीच उतरना पड़ा। जरा सी चूक और बड़ा हादसा हो सकता था।

सवाल इंसानियत का- क्या अंतिम यात्रा भी किसी जोखिम से कम नहीं होगी?

ग्रामीणों का उठना वाजिब और तीखा सवाल है कि क्या किसी नागरिक को मौत के बाद भी सम्मानजनक विदाई का हक नहीं मिलना चाहिए? यह मामला सिर्फ रास्ते या आवागमन की सुविधा का नहीं है, बल्कि इंसानी गरिमा और बुनियादी हक से जुड़ा है। जब इंसान के जिंदा रहते उसकी बात नहीं सुनी जाती, तो क्या अब लाशों के ऊपर से गुजरकर प्रशासन जागेगा? वही विकास की गुलाबी तस्वीरों का ढिंढोरा पीटने वाले नेता और आला अफसर क्या इस उफनती नदी में उतरकर ग्रामीणों का दर्द महसूस कर पाएंगे? अगर अंतिम यात्रा में भी जान हथेली पर रखनी पड़े, तो ऐसा 'विकास' किस काम का? ग्रामीणों ने इस बार आर-पार के मूड में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को चेताया है कि मुतिया नदी पर जल्द से जल्द पुल या रपटा बनाया जाए। अब देखना यह है कि इस वायरल वीडियो के बाद सो रहा सिस्टम जागता है या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार करता रहेगा।

वर्षों से लग रही गुहार, लेकिन बधिर बना बैठा है प्रशासन

गाँव के मतीन खान, फईम मोहम्मद, इरफान खान, शोहेल खान और शमीम खान समेत आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि मुतिया नदी पर एक अदद पुल या रपटे का निर्माण कोई नई मांग नहीं है। सालों-साल से जनप्रतिनिधियों के चौखट पर माथा टेका गया। प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर इस नासूर बन चुकी समस्या का स्थायी समाधान मांगा गया। हर बार सिर्फ और सिर्फ खोखले आश्वासन का झुनझुना थमा दिया गया।

सिवनी के हड्डी गोदाम में अवैध बूचड़खाने पर छापा

चार आरोपी गिरफ्तार; 40 किलो मांस नष्ट, चार मवेशियों को गौशाला भेजा

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी शहर के हड्डी गोदाम क्षेत्र में गुरुवार दोपहर कोतवाली पुलिस ने रिहायशी इलाके में चल रहे अवैध बूचड़खाने पर दबिश दी। इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि चार मवेशियों को मुक्त कराया गया।

रैय्यान कुरैशी के मकान पर पुलिस की दबिश

कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी को दोपहर करीब 2 बजे रैय्यान कुरैशी के मकान में अवैध रूप से मांस काटने और बेचने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर रैय्यान कुरैशी, अरबाज कुरैशी, हनीफ कुरैशी और इस्माईल खान को रंगे हाथों पकड़ लिया।

40 किलो मांस नष्ट, चार मवेशी गौशाला भेजे गए

दबिश के दौरान पुलिस को कटा हुआ मांस और बिना चारा-पानी के बांधकर रखे गए एक भैंस और तीन पाड़े मिले। पशु चिकित्सक और नगर पालिका टीम की मौजूदगी में 40 किलो मांस को नष्ट कराया गया तथा चारों मवेशियों को सुरक्षित गौशाला भेज दिया गया।

कटाई के औजार और नकदी जब्त, विभिन्न धाराओं में केस: पुलिस ने मौके से तौल कांटा, बका, छुरी और 500 रुपये नकद जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्), पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और म.प्र. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सिवनी में उत्साहपूर्वक निकाली गई भव्य तिरंगा रैली, बनाई गई मानव श्रृंखला

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

भारत सरकार के हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी में प्राचार्य डॉ. रवीशंकर नाग के निर्देशन में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता के भाव से ओतप्रोत गरिमामय तिरंगा रैली का सफल आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई इस रैली में हाथों में तिरंगा लिए विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं स्टाफ सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। नगर भ्रमण के दौरान देशभक्ति के ओजस्वी नारों और तिरंगे के सम्मान से संपूर्ण वातावरण राष्ट्रप्रेम के रंग में सराबोर हो गया।

रैली का समापन महाविद्यालय प्रांगण में हुआ, जिसके पश्चात सभी प्रतिभागियों ने एकजुट होकर एक विशाल मानव श्रृंखला बनाई। इस मानव श्रृंखला के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता तथा तिरंगे के प्रति सम्मान का सशक्त संदेश दिया गया। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पवन कुमार वासनिक ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रध्वज नहीं, बल्कि देश के गौरव, बलिदान और सम्मान का प्रतीक है, और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन क्रीड़ा अधिकारी कमलेश टेम्भरे द्वारा किया गया, वहीं एनएसएस अधिकारी गणेश मंतारे ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों, कैडेट्स और स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां पूर्ण

फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न, एसपी ने लिया जायजा

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित करने के उद्देश्य से गुरुवार को स्थानीय फुटबॉल स्टेडियम में फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने एडीएम नीलमणि अग्निहोत्री, एएसपी दीपक मिश्रा, एसडीएम सुश्री पूर्वी तिवारी सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया।

रिहर्सल के मुख्य बिंदु

-**शानदार परेड प्रदर्शन :** प्रशिक्षु डीएसपी सचिन मोहनिया एवं उप कमांडर सूबेदार जितेंद्र रावतकर के नेतृत्व में अनुशासित परेड का प्रदर्शन किया गया।

-**हर्ष फायर व राष्ट्रगान** : सशस्त्र जवानों ने हर्ष फायर किया और पुलिस बैंड की मधुर धुन पर राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी गई।

-**छात्र-छात्राओं की सहभागिता :** एनसीसी, स्काउट-गाइड और विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया, जिसकी एसपी ने सराहना की।

एसपी कृष्ण लालचंदानी ने सभी जवानों को पूर्ण अनुशासन, समयबद्धता और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह पर्व वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का पावन अवसर है।

सिवनी वृद्धाश्रम में स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति कार्यक्रम का आयोजन

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के वृद्धाश्रम में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में वृद्धाश्रम के निवासियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। समारोह में रोमन सिंह मेरावी ने सुमधुर देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग गया और बुजुर्गों ने संगीतमय प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों को राष्ट्रीय पर्व के महत्व से जोड़ना और तिरंगे के प्रति सम्मान व देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना था। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में हुए आत्मीय संवाद ने इस राष्ट्रीय पर्व को सामाजिक सरोकार के साथ एक यादगार और भावपूर्ण रूप प्रदान किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433